महाराष्ट्र में 3 प्रादेशिक सुअर पालन केन्द्रों की स्थापना की गई है। एक अन्य ऐसा केन्द्र आन्ध्र प्रदेश में स्थापित किया जा रहा है। आशा है कि प्रत्येक केन्द्र राज्य सुअर प्रजनन एककों सुअर-पालन विकास खण्डों में वितरण करने के लिए वर्ष भर में लगभग 1000 युवा सुअरों का उत्पादन करेगा। इन चारों केन्द्रों से संलग्न एक-एक सुअर-मांस फैक्टरी होगी।

देश भर में 23 सुअर प्रजनन एककों की स्थापना की गई है, इनमें से प्रत्येक एकक में प्रारम्भिक रूप से विदेशी नसल के 30 सुअरी तथा 6 सुअर होंगे। इन एककों में उत्पादित सुअर तथा सुअरियों को सुअर-पालन विकास खण्डों में वितरित किया जा रहा है (अब तक ऐसे 74 सुअर पालन विकास खण्ड स्थापित हो चुके हैं)।

हाल ही में भारत सरकार द्वारा प्रायोजित विशेष विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत 1964–66 की अवधि में बिहार, केरल, पंजाब तथा राजस्थान के लिए 76.70 लाख रुपये की लागत से सुअर प्रजनन केन्द्र एवं सुअर-मांस कारखाने की स्थापना के लिए स्वीकृति दी जा चुकी है। मद्रास तथा उत्तर प्रदेश में दो बड़े सुअर प्रजनन फार्मों की स्थापना के विषय में भी स्वीकृति दी जा चुकी है। इस कार्य पर इन दो वर्षों में 5.96 लाख रुपये खर्च होंगे।

घोड़ों तथा खच्चरों का प्रजनन :

तीसरी योजना के अन्तर्गत 12.89 लाख रुपये की लागत से एक अश्व-प्रजनन फार्म की स्थापना की स्वीकृति दी जा चुकी है। इसका उद्देश्य यह है कि पहाड़ी क्षेत्रों में परिवहन के लिए घोड़ों की एक उपयुक्त नसल तैयार की जाए। परन्तु अभी तक इस फार्म की स्थापना के लिए स्थान का चुनाव नहीं हुआ है।

Seed Farms

1109. Shri Krishnapal Singh: Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) the number of experimental, demonstration, seed farms and mechanised farms, wholly or partly financed by the Union Government in different parts of the country; how many farms of each class are being run on profit and how many on loss; what is the total amount of annual loss or profit to Government over these farms during 1963-64;

(b) whether Government have any intention of transferring these farms, not yielding any profits, to private farmers or to co-operative farming societies and if so, what is their number; and

(c) the number of Cattle Breeding and dairy farms, wholly or partly financed by the Central Government, and the number and breed of cattle on each farm, and the annual profit or loss on every farm?

The Deputy Minister in the Ministry of Food and Agriculture (Shri Shahnawaz Khan): (a) to (c). The required information is being collected and will be placed on the table of the Sabha as soon as complete data are received from various States and Central Organisations.

Fishing Harbours

1110. **Shri P. C. Borooah:**
Shri Yashpal Singh:
Shri Subodh Hansda:
Shri Himatsingka:
Shri Ram Sewak:
Shri P. G. Sen:

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether Government have been considering a proposal for the development of fishing harbours in major and minor ports;

(b) if so, the main features of the proposal; and

(c) when a decision is likely to be taken in the matter?

The Deputy Minister in the Ministry of Food and Agriculture (Shri D. R. Chavan): (a) Yes.

(b) The National Harbour Board has agreed to provide space for the fishing industry in major and minor ports and construct harbours and jetties for fishing boats, the cost being met by the Ministy of Food and Agriculture. A team of harbour experts assigned by the FAO are inspecting harbour sites to prepare a comprehensive scheme of pre-investment survey of fishing harbours. A number of harbour projects which have matured are being sanctioned under the Special Development Programme over the above the projects taken up by the States under the Third Plan.

(c) Government have decided (i) to sanction schemes of harbour development under the Special Development Programme and (2) to seek the assistance of the United Nations Special Fund for a pre-investment survey of fishing harbours for which a scheme is being drawn up by FAO experts.

गोमती नदी पर पुल

1111. **श्री विश्राम प्रसाद:** क्या परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बनारस व गाजीपुर के बीच राष्ट्रीय राजपथ पर गोमती नदी पर पुल बनाया जा रहा है ?

(ख) क्या यह भी सच है कि पुल की रूप-रेखा में कुछ परिवर्तन भी किया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो क्यों व कहां तक, तथा पुल के कब तक पूर्ण हो जाने की उम्मीद है ?

परिवहन मंत्री (श्री राज बहादुर) (क) जी हां ।

(ख) और (ग). पुल के खम्भों को बसाने के समय कुछ झुकाव व हटाव हो गया । इसके कारण पुल के दरों की लम्बाई में हेरफर करना पड़ा और इसकी वजह से पुल के खम्भों के ऊपरी ढांचे के डिजाइन में कुछ परिवर्तन किया गया । पुल के मार्च 1966 तक तैयार होने की अ ;श

Harijan Welfare Schemes in Kerala

1112. { **Shri P. Kunhan:** / **Shri Nambiar:**

Will the Minister of **Social Security** be pleased to state:

(a) the amount provided for the Harijan Welfare schemes in Kerala State during 1960-61, 1961-62, 1962-63 and 1963-64; and

(b) the amount utilised during these years?

The Deputy Minister in the Department of Social Security (Shrimati Chandrasekhar): (a) and (b). The information is as follows:—

(Rs. in lakhs)

Year	Amount provided	Amount utilised
1960-61 . .	82·22	71·44
1961-62 . .	24·23	17·28
1962-63 . .	19·35	17·57
1963-64 . .	24·55	16·28
TOTAL 1960-64 .	150·35	122·57

Instant Food

1113. { **Shri P. C. Borooah:** / **Shri P. R. Chakraverti:**

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether a scheme to produce instant food from bananas, limes, man-